सज धज कर बैठया दादी जी

सज धज कर बैठया दादी जी,
क्यों बेठया बेठया मुश्कावे,
चलो नजर उतरा मैया की कही आज नजर न लग जावे,
सज धज कर बैठया दादी जी.....

सिर चुनरिया तारा की है,
माथे पे बोरलो न्यारो है,
गाल बीच हार है हीरो को,
और लागे सबने प्यारो है,
चलो नजर उतारा मइयां की,
कही आज नजर न लग जावे,
सज धज कर बैठया दादी जी,

लाल चुंडो हाथ में मेहँदी भी लाल है हाथ में,
झन झन करती पायल बाजे माँ सिंह पे चढ़ कर आई है,
चलो नजर उतारा मइयां की कही आज नजर न लग जाये,
सज धज कर बैठया दादी जी...

मन भावन प्यारी झांकी है,
या चितवन प्यारी प्यारी है,
नैनो से नैन मिले जो ही कोई हुक कालजे बल खावे,
जब नजर उतारा मैया की कही आज नजर न लग जावे,

सज धज कर बैठया दादी जी..

अरे जो रूप सजा कर माँ भगता के घर में आई है,
झोली भर लो दर्शन कर लो माँ आज खजाने ल्याई है,
जब नजर उतारा मईया की कही आज नजर न लग जावे,
सज धज कर बैठया दादी जी

Source:
https://www.bharattemples.com/saj-dhaj-kar-bethiyan-dadi-ji-kyu-betheya-betheya-mushkaawe/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw